



Semester II (M.A)

Paper 5, Cognitive Psychology, Unit 3

Topic - Types of thinking

चिन्तन दो प्रकार के होते हैं

(1) आत्मविमोही चिन्तन (Autistic thinking)

(2) वास्तविक चिन्तन (Realistic thinking)

आत्मविमोही चिन्तन - यह चिन्तन मुख्य रूप से व्यक्तित्व और आवश्यकताओं, इच्छाओं को लागू करता है जो कि वाहरी आवश्यकताओं से

दूसरी तरफ वास्तविक चिन्तन का संबंध वाहरी परेशानों या आवश्यकताओं पर लिखितियों को लागू करता है यह स्पष्ट है कि आत्मविमोही

चिन्तन व्यक्ति की निजी आवश्यकताओं, इच्छाओं, भावों आदि से प्रेरित होता है तथा इसमें संलग्न क्रियाओं का उद्देश्य आत्म-

संतोष (Self confidence) प्राप्त करना होता है। इसके दोगे वाली क्रियाएं वास्तविकता से संबंधित नहीं होती हैं परन्तु वास्तविक चिन्तन

में क्रियाएं वास्तविक परिस्थितियों से उत्पन्न दोगे वाली वास्तविक समस्याओं से प्रभावित होकर प्रेरित होती हैं जिससे आवश्यकताओं की

संज्ञा, संज्ञाना का समाधान होता है। यहाँ चिन्तन उत्पादक स्वरूप का होता है जो प्रेरित (Motivated) होता है तथा इस दोगे प्रकार

के चिन्तन से व्यक्ति को कोई न कोई उद्देश्य से

आत्मविरोधी चिन्तन (Antastatic thinking).
 इस प्रकार के चिन्तन में व्यक्ति केवल
 काल्पनिक विचारों में रूपांतरित रहता है
 स्वप्न कल्पना (fantasy), इच्छापूर्णा चिन्तन

(wishful thinking), दिवा स्वप्न
 (day dreaming) आदि आत्मविरोधी
 चिन्तन का रूप है जहाँ स्वप्न में
 व्यक्ति ऐसी घटनाओं के बारे में जिलाता
 संतुष्ट-असंभवता पूर्णों के साथ रहता है
 व्यक्ति के दिमाग का उत्पन्न होने वाली
 कोई महत्वपूर्ण विचार सबसे पहले स्वप्न
 के माध्यम से मिलता है जिसका प्रयोग
 व्यक्ति जागरूक अवस्था में करता है

काल्पनिक स्वप्न के चिन्तन में
 विचार व्यक्ति के दैनिक जीवन की
 आवश्यकताओं से नहीं रहता है जैसे
 दिवा स्वप्न (day dreaming) व्यक्ति के एक
 निजी एवं काल्पनिक कथनी होती है जिलने
 व्यक्ति द्वारा अपने अपने को काल्पनिक
 से परे संतुष्ट है, सुखी एवं संतुष्ट है
 की कल्पना करता है जो व्यक्ति की
 असंतुष्ट इच्छाओं की पूर्ति करता है
 परन्तु जब इस प्रकार की दिवा स्वप्न
 रूपांतरित और नियमित स्वरूप का हो जाता
 है तो व्यक्ति मनोविकृति (Psychosis)
 का शिकार हो जाता है उसमें अलगाव
 के लक्षण दिखने लगता है

दिव्य स्वप्न की यह अवस्था व्यक्ति के लिए धारण करके घटित हो सकती है लेकिन सामान्य स्तर पर ऐसी कल्पनाओं से समझोपमोगी एवं लाभप्रद होती है वैज्ञानिकों के लिए यह बहुत ही लाभप्रद होती है वे इन कल्पनाओं को वास्तविक स्वरूप प्रदान करते हैं वे कार्यशील रहते हैं आज जो आविष्कार हो चके हैं वे वैज्ञानिकों की देन हैं जो दिव्य स्वप्न के माध्यम से वास्तविक स्वरूप प्रदान किया है आज जो भी कुल कारखाने, चिकित्सा, विशाल शिक्षा, उद्योग धंधे आदि का आविष्कार शक्यताओं के कल्पनाओं का ही प्रतिफल है।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में हम यह कह सकते हैं कि आलोकितोद्योगिक एक उच्चतम मानविक प्रक्रिया है जिसका संबंध व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं आन्तरिक वातावरण के साथ अत्यंत गहरा संबंध समझनाओं के साथ रहता है जिसे आलोकितोद्योगिक के लिए सोचना ही विचार्य कह जा सकता है।

(2) वास्तविक चिन्तन (Realistic thinking)

वास्तविक चिन्तन व्यक्ति के वास्तविक जीवन की समस्याओं से संबंधित होता है व्यक्ति अपने वास्तविक अथवा जीविकोपार्जन जैसी वास्तविक पक्षों से संबंध रखता है। समस्याओं की समाधान की आवश्यकता से प्रेरित होकर सोचने की प्रक्रिया काव्य है उसे तर्क (reasoning) अथवा समस्याओं

विचार का प्रारम्भिक चरण है।
 विचारों के इस प्रकार के विकास प्रकार
 की सामाजिक/काम संबंधित होती है।
 (i) निगमनात्मक चिंतन (Deductive Thinking)
 इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति एक सामान्य
 बातों की प्रारम्भिक रूप में निकलने पर
 पहुँचता है जिसे वह अपने-आप का निष्कर्ष या
 कोई नया विचार बनाया जा सकता है चिंतन
 की कुछ विधियाँ हैं जैसे (1) प्रमाणों का
 भी चर्चा है जिसे चिंतन रूप में ही जाना
 उपलब्ध प्रदान (data) आदि को चिंतन रूप में
 किसी समस्या के अन्वेषण करने का तात्पर्य
 प्रमाण करता है।

(ii) आगमनात्मक चिंतन (Inductive Thinking)
 इस तरह की विधियाँ में चिंतक या व्यक्ति
 को चिंतन में आगमनात्मक होता है कि वह कोई
 नया उपाय खोजे और जब व्यक्ति या चिंतक जब
 किसी नये विचार या निष्कर्ष को देखता है तब वह
 विचार या निष्कर्ष पूर्व कल्पना यही होता है जहाँ समाधान
 समाधान को सुनिश्चित करती है।

(iii) मूल्योन्मुख चिंतन (Evaluative Thinking) जब कि
 व्यक्ति या चिंतक के मन में एक से अधिक विचार होते
 हैं तथा समाधानों का सही समाधान चुनने में भी एक से
 अधिक विचार उपयुक्त हो सकते हैं चिंतक सोच विचार
 उन सभी संभावित उपायों का मूल्योन्मुख करता है कि वह
 वह विभिन्न विचारों की उपयुक्तता, कुशलता या समाधान
 आदि पर विचार करता है।